

बैटरी व्यापार

बैटरी, सोलर और इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़े व्यापारियों के लिए

ऑनलाइन मासिक

Battery Business

समाचार • व्यापार • प्रचार • प्रसार

ऑक्सीजन-आयन बैटरी

ऑटोमोबाइल का
आधुनिकीकरण



साहित्य और जानकारियों से भरपूर

SuperStik™

.... चिपका रहे !



KABHI SATH NA CHHODE

STRONG ADHESIVE

Any Query : +91-9582593779
9910183526
9971293665

बैटरी व्यापार

ऑनलाइन मासिक Battery Business

समाचार · व्यापार · प्रचार · प्रसार

ऑक्सीजन-आयन बैटरी

ऑटोमोबाइल का
आधुनिकीकरण

साहित्य और जानकारियों से भरपूर

संकलक-संपादक

विनय कुमार भक्त

साहित्यिक संपादक मंडल :

माधुरी वर्मा-वाराणसी, डॉ. आशा सिन्हा-पटना
निशा भास्कर-दिल्ली, रेणु कुमारी -पटना
पायल राधा जैन -इटावा, उ.प्र.
मणिकर्णिका पांचाल सूर्यवंशी-दिल्ली
आशुतोष तिवारी -जोधपुर
डॉ. भागवान सहाय मीना -जयपुर

यह सभी पद अवैतनिक हैं ।

डिजाईन, ग्राफिक्स टीम :

प्रमोद कुमार
राहुल कुशवाहा

प्रोडक्शन

विजय कुमार सिंह

प्रिंटिंग :

एम.आर. डिजिटल, नारायणा, दिल्ली

प्रिंटेड कॉपी मूल्य : रुपये 120/-

डाक खर्च सहित

सम्पादकीय कार्यालय :

डिजाईनवर्ल्ड

डब्लू जेड -572 एन, बैंक साइड,
नारायणा गाँव, दिल्ली-110028

संपर्क : 9582593779

Email : info@batterybusiness.in

Website : www.batterybusiness.in

पत्रिका में प्रकाशित लेखों से संपादक, प्रकाशक, मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है ।

बैटरी व्यापार ई-पत्रिका है । पाठकों की मांग पर शुल्क लेकर प्रिंटेड पत्रिका डाक द्वारा भेजी जा सकती है ।

कलम कहे हमारी बात

बैटरी व्यापार के पाठकों को नमस्कार!

डेढ़ वर्ष से लगातार प्रयास और मेहनत का नतीजा है कि बैटरी व्यापार पत्रिका का दूसरे वर्ष का 6ठा अंक मार्च-2023 आप लोगों के सामने है । इस पत्रिका के लिए कुछ तकनीकी लोगों से लिखना भी शुरू किया है जो बैटरी, सोलर और इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में कार्यरत हैं । वे लोग अपनी जानकारी हमारी पत्रिका के माध्यम से वेबसाइट के माध्यम से लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं जिससे इसी क्षेत्र से जुड़े लोगों को इसका लाभ मिल सके और यह काम हम बिना किसी आर्थिक लाभ के लिए कर रहे हैं । खास प्रयास यह है कि छोटे-छोटे कारोबारियों का प्रचार-प्रसार ठीक से हो सके, इसके लिए फेसबुक पर एक प्लेटाफार्म तैयार किया जिसमें एक लाख से ज्यादा लोग जुड़े हैं, अपने कारोबार, अपने व्यापार, अपने प्रोडक्ट और ब्रांड की जानकारियां देश ही नहीं विदेशों तक पहुंचा रहे हैं । इसी प्रकार हमारे इस पत्रिका का भी वेबसाइट है जिसमें कई देशों के लोग जुड़े हैं जिसके माध्यम से आपकी पहुंच उन तक आसानी से हो सकती है । आपके प्रोडक्ट का प्रसार हम कर रहे हैं वह भी बिना किसी आर्थिक लाभ के । इसके बावजूद भी लोग इस पत्रिका से नहीं जुड़ पा रहे हैं या उन्हें इसके बारे में ठीक से जानकारी नहीं है, उनको यह लगता है कि उनकी खबरों के लिए हम पैसा मांग लेंगे जैसे अन्य पत्रिकाओं द्वारा ऐसा किया जाता है । हमारा प्रयास दूसरों का लाभ पहुंचाना है, इस बैटरी उद्योग जगत का प्रचार-प्रसार करना है ।

कुछ बैटरी व्यापारियों से मेरी बातचीत होती है, वे अपनी समस्याओं से भी अवगत कराते हैं । आज का सबसे बड़ी समस्या है उधार माल बेच देना और उसका वापसी समय पर ना होना या ना भी होना है । ऐसे में कई लोगों को अपना कारोबार तक बंद करना पड़ रहा है । एडवांस मांगों तो कहते हैं माल भेजिये पहुंचते ही पैसे मिल जायेंगे । पहुंचने के बाद एक महीना, दो महीना, तीन महीने तक पैसे नहीं मिल पाते जिस कारण वे अपनी उधार समय से चुकता नहीं कर पाते और फिर उन्हें रॉव मैटेरियल (कच्चा माल) नहीं मिलता है और उनका काम रुकने लगता है और बंद भी हो जाता है । इस समस्या को दूर कैसे किया जाये? इसके लिए आप सभी की राय और सलाह चाहिए । बैटरी व्यापार पत्रिका अंदरूनी रूप से एक सर्वे भी कर रहा है कि मार्केट का कौन सा व्यापारी है जिसका लेन-देन का रिकार्ड ठीक नहीं उनकी सूची तैयार कर रहा है । अगर आपके नजर में भी आपके साथ भी कुछ ऐसे व्यापारी हैं जो आपकी पेमेन्ट का भुगतान समय पर नहीं करते हैं या नहीं करते हैं उनसे अवगत करायें । आने वाले दिनों में उनकी सूची भी प्रकाशित की जायेगी जो मार्केट में लोगों के पैसे नहीं देते हैं । जिससे कारोबारियों को पता चले कि किसके साथ काम करना चाहिए, किसके साथ काम नहीं करना चाहिए ।

इस विषय पर आप सभी का सुझाव हमारे लिए बहुत आवश्यक है । अपना सुझाव अवश्य दें ।

धन्यवाद!

विनय कुमार भक्त

info@batterybusiness.in

www.batterybusiness.in

इस अंक में पढ़िये

05 समाचार

जम्मू-कश्मीर में लिथियम रिजर्व का इस्तेमाल कर नंबर एक वाहन निर्माता बन सकता है भारत: श्री नितिन गडकरी

बैटरी इंडस्ट्री पर भी बेमौसम बरसात का असर

06 समाचार

हीरो इलेक्ट्रिक ने 85,000 रुपये से शुरू होने वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर की नई रेंज लॉन्च की

07 समाचार

अमारा राजा की ईवी बैटरी को मिला सुरक्षा प्रमाणपत्र

08 समाचार

स्कोडा 2023 में बैटरी सिस्टम उत्पादन का विस्तार करेगी

09 समाचार

MG Motor India और WTICabs ने 100 वाहनों के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

10 समाचार

मेडा ने रूफटॉप सोलर सिस्टम के लिए 10 मेगावाट की निविदाएं कीं

11 समाचार

ओलेक्ट्रा को तेलंगाना परिवहन निगम से 550 इलेक्ट्रिक बसों का ऑर्डर मिला है

12 विशेष

ऑक्सीजन-आयन बैटरी

13 विशेष

इलेक्ट्रिक वाहनों का भविष्य

14 विशेष

ऑटोमोबाइल का आधुनिकीकरण

17 समाचार

इलेक्ट्रिक हवाई जहाज के लिए बैटरी पर बीएई सिस्टम्स और हार्ट एयरोस्पेस करेंगे सहयोग

19 कहानी



20 साहित्य-काव्य

पतझड़

परेशान...

समय

21 KNOWLEDGE

Surya Reddy Shared Information about PCB v/s PCBA

विज्ञापन

पृष्ठ : 2, 16, 22, 23, 24



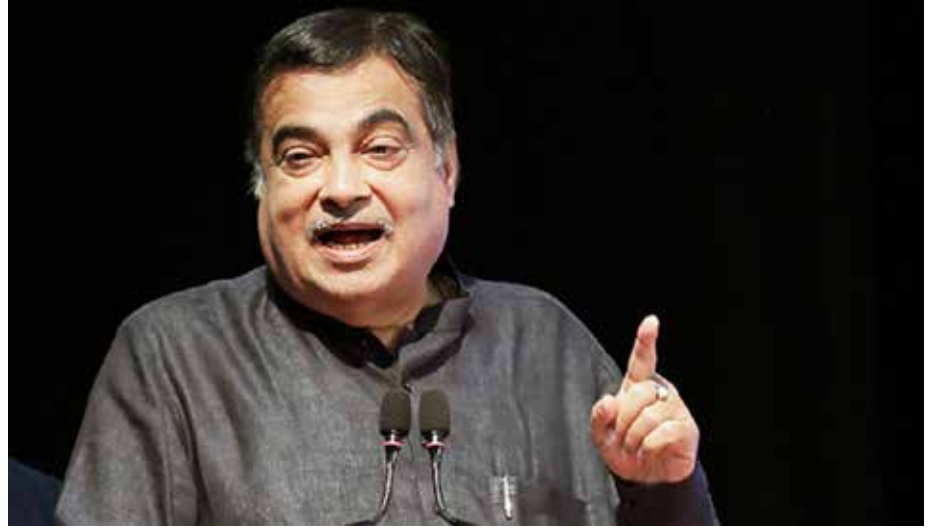
जम्मू-कश्मीर में लिथियम रिजर्व का इस्तेमाल कर नंबर एक वाहन निर्माता बन सकता है भारत: श्री नितिन गडकरी

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) द्वारा रियासी जिले में इलेक्ट्रिक वाहनों और सौर पैनलों के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण खनिज, लिथियम के अनुमानित 5.9 मिलियन टन रिजर्व की खोज की गई है।

मीडिया से मिली एक कभार के अनुसार केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि अगर भारत जम्मू-कश्मीर में हाल ही में खोजे गए लिथियम के भंडार का उपयोग कर सकता है, तो यह दुनिया का नंबर एक ऑटोमोबाइल निर्माता देश बन जाएगा। उद्योगनिकायसीआईआई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री नितिन गडकरी ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है और इलेक्ट्रिक बसें भविष्य हैं।

श्री नितिन गडकरी जी ने कहा, "हर साल, हम 1,200 टन लिथियम आयात करते हैं। "अब, जम्मू और कश्मीर में, हमें लिथियम मिला है। (यदि) हम इस लिथियम आयन का उपयोग कर सकते हैं, तो हम दुनिया में नंबर एक ऑटोमोबाइल निर्माता देश होंगे।"

भारत ने चीन और अमरीका के बाद 2022 में जापान को पछाड़ तीसरा सबसे बड़ा वाहन बाजार बन गया है। श्री गडकरी के अनुसार, वर्तमान में भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग 7.5 लाख करोड़ रुपये का है, और कुल जीएसटी राजस्व में इस क्षेत्र



का योगदान अधिकतम है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) द्वारा रियासी जिले में इलेक्ट्रिक वाहनों और सौर पैनलों के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण खनिज, लिथियम के अनुमानित 5.9 मिलियन टन रिजर्व की खोज की गई है।

"लिथियम महत्वपूर्ण संसाधन श्रेणी में आता है, जो पहले भारत में उपलब्ध नहीं था और हम इसके

100 प्रतिशत आयात के लिए निर्भर थे। जीएसआई का जी3 (उन्नत) अध्ययन सलाल गांव (रियासी) में माता वैष्णो देवी मंदिर की तलहटी में प्रचुर मात्रा में सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले लिथियम की मौजूदगी दर्शाता है। गडकरी जी ने कहा कि किसी भी देश के विकास के लिए अच्छे बुनियादी ढांचे की जरूरत होती है।

बैटरी इंडस्ट्री पर भी बेमौसम बरसात का असर



बैटरी व्यापार: मंदी के मार से उलझ रहे बैटरी उद्योग को साल से कुछ उम्मीद थी। पर मार्च के शुरूआती दिन में थोड़ी उछाल के बाद दूसरे सप्ताह से शुरू बरसात से मंदी का दौर चालू है। बैटरी की बिक्री ना के बराबर हो रही है। मार्केट में लेन-देन की धीमी रफ्तार से बाजार अस्त-व्यस्त है। बैटरी कारोबारियों को गर्मी में इन्वर्टर बैटरी की बिक्री का अनुमान होत है। पर मार्च में लगातार हो रही बरसात से मौसम में सर्दी ला दी है जिससे इन्वर्टर बैटरी की बिक्री नहीं हो पा रही है। छोटे दुकान, डीलर, डिस्ट्रीब्यूटर सभी परेशान दिख रहे हैं। कुल मिलकर यह कह सकते हैं की बेमौसम बरसात ने बैटरी व्यापार में ब्रेक लगाने का काम किया है।

हीरो इलेक्ट्रिक ने 85,000 रुपये से शुरू होने वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर की नई रेंज लॉन्च की



मीडिया से मिले जानकारी के अनुसार हीरो इलेक्ट्रिक देश के सबसे सर्वव्यापी इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माताओं में से एक है। अपने लाइनअप को मसाला देने के लिए, कंपनी ने तीन नए इलेक्ट्रिक स्कूटरों की घोषणा की है, जिनका उद्देश्य ब्रांड से कनेक्टेड तकनीक लाना है। तीन स्कूटर सिंगल बैटरी के साथ ऑप्टिमा सीएक्स2.0 हैं, जबकि ऑप्टिमा सीएक्स5.0 और एनवाईएक्स में दोहरी बैटरी हैं।

स्टाइलिश नए डिजाइन के साथ-साथ हीरो इलेक्ट्रिक की पहले की उपयोगितावादी डिजाइन भाषा से काफी सुधार किया गया है, जिसमें नई तकनीक जैसे एलईडी लाइट्स और डीआरएल शामिल हैं। अपनी सिंगल बैटरी के साथ CX2.0 पर, दावा किया गया रेंज 89 किमी है जबकि CX5.0 और NYX पर, दोहरी बैटरी 113 किमी तक का दावा करती है। हीरो इलेक्ट्रिक का कहना है कि बैटरी को 3 घंटे में फुल चार्ज किया जा सकता है।

हीरो इलेक्ट्रिक ने जापानी मोटर्स और जर्मन

ईसीयू के साथ-साथ 'हाइबरनेटिंग बैटरी तकनीक' और बढ़ी हुई चार्जिंग दक्षता जैसी कनेक्टेड सुविधाओं के साथ स्कूटर के अंतर्राष्ट्रीय चरित्र का वर्णन किया है।

लॉन्च के मौके पर हीरो इलेक्ट्रिक के एमडी नवीन मुंजाल ने कहा, "भारत के इलेक्ट्रिक वाहन पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के प्रति 15 साल की अटूट प्रतिबद्धता के बाद, हम देश के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन को साकार करने के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं। हमारे निरंतर प्रयास इस दृष्टि को जल्द से जल्द जीवन में लाने पर केंद्रित हैं। हमारे प्रत्येक उत्पाद को ग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर प्राथमिक ध्यान देने के साथ एक विस्तृत आरएंडडी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है। इसके साथ ही, हमने देश में ईवी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने भागीदारों के साथ मिलकर काम किया है। परिणामस्वरूप, हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हम अपनी निर्माण इकाइयों से सालाना 1 मिलियन से अधिक वाहन तैयार करने के लिए तैयार हैं।"

CX2.0 मेट ब्लू और ब्लैक कलर स्कीम में उपलब्ध होगा, जबकि CX5.0 मेट ब्लू और मेट मैरून कलर ऑप्शन में उपलब्ध होगा। इस बीच एनवाईएक्स में केवल चमकदार काले और सफेद रंग योजनाएं होंगी। नए हीरो इलेक्ट्रिक स्कूटर की कीमत 85,000 रुपये से लेकर 1.3 लाख रुपये तक है।

यहां यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि भारत सरकार ने हाल ही में हीरो इलेक्ट्रिक और ओकिनावा के लिए FAME-2 सब्सिडी बंद कर दी है। भारी उद्योग मंत्री के अनुसार, ईवी नीति के तहत एसओपी को तब तक के लिए रोक दिया गया है जब तक कि कंपनियां चरणबद्ध निर्माण योजना (पीएमपी) की समयसीमा के साथ अपना अनुपालन दिखाने के लिए पर्याप्त सबूत प्रदान नहीं करती हैं। दोनों कंपनियां स्पष्ट रूप से अपने वाहनों को उस स्तर तक स्थानीयकृत करने में विफल रही हैं जिस स्तर की FAME सब्सिडी की आवश्यकता है, क्योंकि वे चीन से इलेक्ट्रिक स्कूटर घटकों का आयात करती हैं। (स्रोत: evoindia.com)

अमारा राजा की ईवी बैटरी को मिला सुरक्षा प्रमाणपत्र

एक वेबसाइट के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि भारत की प्रमुख औद्योगिक और ऑटोमोटिव बैटरी कंपनी अमारा राजा बैटरीज लिमिटेड ने एआईएस-156 संशोधन 3, चरण 2 को मंजूरी दे दी है और अपनी ईवी बैटरी और ऑफ-बोर्ड चार्जर के लिए एआरएआई प्रमाणीकरण प्राप्त किया है। प्रमाणन सुरक्षित बैटरी पैक डिजाइन करने और विकसित करने में ARBL की जिम्मेदारी को बढ़ाता है।

सितंबर 2022 में, सरकार ने EV बैटरी परीक्षण मानकों में संशोधन किया और AIS-156 के संशोधन 3 को चरणबद्ध तरीके से 1 दिसंबर, 2022 से और चरण 2 को 31 मार्च, 2023 से लागू किया। अमारा राजा बैटरी लिमिटेड स्वीकार करते हैं और सराहना करते हैं। ईवी में आग लगने की बढ़ती घटनाओं के आलोक में ईवी बैटरी पैक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा किए गए

प्रयास के तहत यह सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है।

3-व्हीलर एप्लिकेशन (7.5 KWH से 8.5 KWH) के लिए अमारा राजा के लिथियम बैटरी पैक के साथ शक्तिशाली ऑफ-बोर्ड चार्जर 2KW और 3KW को संशोधित मानदंडों के तहत प्रमाणित किया गया है। यह प्रमाणपत्र बैटरी सुरक्षा विश्वसनीयता और प्रगति का समर्थन करता है और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए विश्व स्तरीय उत्पादों को लाने के लिए अमारा राजा की प्रतिबद्धता को और बढ़ाता है। इसने श्री-व्हीलर बैटरियों के ऑन-रोड सत्यापन का 2 करोड़ किमी पूरा कर लिया है।

"यह प्रमाणीकरण सुरक्षित और भरोसेमंद एक मजबूत ईवी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के हमारे प्रयासों में एक प्रमुख मील का पत्थर है। यह सरकारी पहलों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और ईवी उद्योग में उदाहरण के द्वारा नेतृत्व करने का भी एक वसीयतनामा है। हम ई-मोबिलिटी स्पेस में और

अधिक इनोवेशन लाना जारी रखेंगे और एक सुगम और सुरक्षित ईवी राइडिंग अनुभव प्रदान करने के लिए उन्नत थर्मल प्रबंधन तकनीक के साथ लिथियम बैटरी पैक पर पहले से ही काम कर रहे हैं।"

अमारा राजा सस्टेनेबल मोबिलिटी सेगमेंट के लिए प्रतिबद्ध है और पिछले कुछ वर्षों में यह विशेष रूप से भारतीय उपमहाद्वीप के लिए उपयुक्त ली-आयन सेल केमिस्ट्री पर काम कर रहा है। यह पहले से ही चुनिंदा 2 और 3-पहिया ओईएम को लिथियम बैटरी पैक और चार्जर की आपूर्ति करता है। इसके अलावा, अमारा राजा गीगा स्केल पर अत्याधुनिक अनुसंधान और विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने की योजना बना रहा है जो मुख्य रूप से ली-आयन कोशिकाओं और बैटरी पैक पर ध्यान केंद्रित करेगा। सुविधा, जिसमें अगले 10 वर्षों में 9,500 करोड़ रुपये का निवेश होगा, की अंतिम क्षमता लगभग 16 GWh होगी।

(स्रोत : indiaeducationdiary.in)



स्कोडा 2023 में बैटरी सिस्टम उत्पादन का विस्तार करेगी

स्कोडा ऑटो ने बेहद चुनौतीपूर्ण बाजार माहौल में 2022 में 730,000 से अधिक वाहनों की डिलीवरी की। कंपनी ने आगे अंतर्राष्ट्रीयकरण, एक त्वरित ई-अभियान और एक पूरी तरह से नया ब्रांड डिजाइन सहित महत्वपूर्ण भविष्य-पूर्णिग उपायों को अपनाया है। भारत में सफल रणनीति के लिए धन्यवाद, चेक कार निर्माता ने उप-महाद्वीप पर अपनी डिलीवरी (+127.7% वर्ष-दर-वर्ष) दोगुनी से अधिक कर दी।

स्कोडा इस साल वियतनामी विकास बाजार में प्रवेश करके, आसियान क्षेत्र में रणनीतिक रूप से ब्रांड समूह की माला का नेतृत्व करते हुए, दक्षिण पूर्व एशिया में अपनी उपस्थिति को मजबूत करते हुए और मध्य पूर्व में व्यावसायिक गतिविधियों का विस्तार करते हुए अपनी अंतर्राष्ट्रीयकरण रणनीति को लगातार आगे बढ़ा रहा है।

साथ ही, ब्रांड अपने घरेलू बाजार में विद्युतीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है: स्कोडा ऑटो ने मई 2022 में अपने म्लादा बोलेस्लाव संयंत्र में एमईबी बैटरी सिस्टम का उत्पादन शुरू किया, इस साल अपनी क्षमता को 1,500 यूनिट प्रति दिन तक बढ़ाने के लिए एक दूसरी उत्पादन लाइन खोलने के लिए अग्रसर है।

इसके अलावा, स्कोडा ऑटो ने अपनी ई-गतिशीलता को आक्रामक बना दिया है; कंपनी 2026 तक तीन और बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) लॉन्च करेगी, जिसके बाद और भी होंगे। स्कोडा का लक्ष्य 2030 तक यूरोप में बीईवी डिलीवरी को 70% से अधिक तक बढ़ाना है और 2027 तक विद्युतीकरण में 5.6 बिलियन यूरो का निवेश करना है।

मॉडल पोर्टफोलियो मजबूत मांग को पूरा करता है; Fabia RS Rally2 मोटरस्पोर्ट परंपरा को जारी रखने के लिए

स्कोडा ऑक्टोविया 2022 में ग्राहकों के लिए 141,100 इकाइयों की डिलीवरी के साथ ब्रांड की बेस्टसेलर बनी रही। कामिक (96,300 यूनिट्स) और कोडिएक (94,500 यूनिट्स) एसयूवी के लिए भी मांग अधिक रही, इसके बाद फैबिया (92,700 यूनिट्स) का स्थान रहा।

गतिशील, कुशल और टिकाऊ Enyaq Coupé iV के लॉन्च ने सफल ऑल-इलेक्ट्रिक Enyaq iV परिवार के लिए और प्रेरणा प्रदान की: 2022 में, ग्राहकों को 53,700 इकाइयां वितरित की गईं। Enyaq Coupé iV के शीर्ष RS



संस्करण को जनवरी के अंत में स्पोर्ट्स स्कोडा RS रेंज में पहले BEV के रूप में पेश किया गया था। दिसंबर 2022 में चेक कार निर्माता कंपनी ने Enyaq RS iV SUV भी लॉन्च की थी। इसके अलावा, स्कोडा ने चौथी पीढ़ी के फैबिया के लिए लोकप्रिय मोटे कार्लो ट्रिम लाइन पेश की, जो एंटी-लेवल-सेगमेंट में ऑफर को पूरक बनाती है।

जून 2022 में, स्कोडा मोटरस्पोर्ट ने फैबिया आरएस रैली2 का अनावरण किया। Fabia RS Rally2 evo के उत्तराधिकारी के रूप में - अपनी श्रेणी में सबसे सफल रैली कार - Fabia RS Rally2 में अपने पूर्ववर्ती की विरासत को जारी रखने के लिए सभी प्रमाण हैं।

अपने नेक्स्ट लेवल - स्कोडा स्ट्रैटेजी 2030 के तहत, कंपनी संभावित नए मार्केट एंटी का लगातार मूल्यांकन करती है। इस प्रकार कार निर्माता अपनी अंतर्राष्ट्रीयकरण रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है, वोक्सवैगन समूह के लिए आशाजनक विकास बाजारों में विकास क्षमता का लाभ उठा रहा है।

रणनीति भारत के प्रमुख बाजार में परिणाम दे रही है; स्कोडा ने 2022 में वहां अपनी डिलीवरी दोगुनी से अधिक (+127.7% वर्ष दर वर्ष) की और दक्षिण पूर्व एशिया में अपनी उपस्थिति को मजबूत करेगी: कार निर्माता गतिशील वियतनामी बाजार में प्रवेश करने के कगार पर है और आसियान में ब्रांड समूह की माला में रणनीतिक रूप से अग्रणी है, जो व्यापक भारत-प्रांत क्षेत्र के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार का प्रतिनिधित्व करता है।

आसियान एक मजबूत समग्र अर्थव्यवस्था (+8% प्रति वर्ष) और 2030 में 4.1 मिलियन से अधिक वाहनों की बाजार माला के साथ दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। भारत के लिए इसकी भौगोलिक निकटता भी महत्वपूर्ण तालमेल प्रभाव प्रदान करती है।

मध्य पूर्व में स्कोडा की भागीदारी में सिनर्जी भी

एक प्रमुख भूमिका निभाती है, जहां कंपनी अगले तीन वर्षों में लगभग 5,000 इकाइयों की संभावित वार्षिक बिक्री वृद्धि का अनुमान लगाती है। स्कोडा 1 फरवरी 2023 को ऑडी और वोक्सवैगन ब्रांडों के लिए मौजूदा राष्ट्रीय बिक्री कंपनी में चेक कार निर्माता को एकीकृत करने के लिए ऑडी वोक्सवैगन मध्य पूर्व में शामिल हो गया।

स्कोडा ऑटो अपनी अगले स्तर की स्कोडा रणनीति 2030 के एक अन्य क्षेत्र में भी अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों का पीछा कर रही है: कंपनी संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के साथ स्थिरता के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाती है। टिकाऊ उत्पादन के संदर्भ में, स्कोडा अपने मॉडलों में तेजी से अधिक पुनर्चक्रण योग्य सामग्रियों को शामिल कर रहा है। इसके अलावा, कंपनी अपने ई-वाहनों से हाई-वोल्टेज बैटरियों को रिसाइकिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्कोडा ऑटो भी दशक के अंत तक अपने तीन चेक संयंत्रों को शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन के साथ संचालित करेगा। 2022 में चेक साइटों पर नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा लगभग 35% था। पुणे, भारत में संयंत्र में, स्कोडा ने हाल ही में ऑटोमोटिव उद्योग में देश की सबसे बड़ी सौर-ऊर्जा रूफटॉप प्रणालियों में से एक को चालू किया, जो संयंत्र के 30% तक को कवर करती है। कुल ऊर्जा खपत।

अपने बेड़े के डीकार्बोनाइजेशन के संबंध में, स्कोडा ऑटो का लक्ष्य 2020 की तुलना में 2030 तक बेड़े के उत्सर्जन को 50% से अधिक कम करना है। परिवर्तन चरण के दौरान, आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाले वाहन भी स्कोडा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे; कार निर्माता लगातार अपने किफायती और आधुनिक आईसीई मॉडलों का अनुकूलन कर रहा है और इस साल के अंत में सुपर्ब और कोडियाक मॉडल श्रृंखला की नई पीढ़ी पेश करेगा। दोनों मॉडल प्लग-इन हाइब्रिड ड्राइव के साथ भी उपलब्ध होंगे, जो कोडियाक मॉडल रेंज में पहली बार है।

लक्ष्य एंटी-लेवल कारों से लेकर विशाल पारिवारिक वाहनों तक इलेक्ट्रिक उत्पादों की एक पूरी श्रृंखला की पेशकश करना और 2030 तक यूरोपीय बिक्री के BEV हिस्से को 70% से अधिक तक बढ़ाना है। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, कार निर्माता 5.6 बिलियन यूरो का निवेश करेगा।

(स्रोत: batterynews.कॉम)

MG Motor India और WTiCabs ने 100 वाहनों के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए



MG मोटर इंडिया ने 100 वाहनों के लिए WTiCabs India के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें MG Hector और MG ZS EV शामिल हैं। इसका उपयोग WTiCabs India के रेंट-ए-कार डिवीजन के लिए किया जाएगा।

नई दिल्ली में राकेश सिडाना, सीनियर डायरेक्टर, सेल्स, एमजी मोटर इंडिया और अशोक वशिष्ठ, सीईओ, डब्ल्यूटीआईकेब्स की उपस्थिति में आज औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर समारोह को पहले बेड़े की डिलीवरी के साथ चिह्नित किया गया।

इस अवसर पर एमजी मोटर इंडिया के सीनियर डायरेक्टर, सेल्स, राकेश सिडाना ने कहा, "एमजी अपने ग्राहकों के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देती है और हमारा उद्देश्य लगातार उनकी उच्चतम अपेक्षाओं को पूरा करना रहा है। हमारी साझेदारी एमजी वाहनों को भारत में एसयूवी और ईवी के प्रति उत्साही लोगों के लिए और अधिक सुलभ बनाएगी। हम अपने व्यवसाय के लिए MG Hector और ZS EV को अपनी पसंद के वाहन के रूप में चुनने के लिए WTiCabs के बहुत आभारी हैं। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।"

डब्ल्यूटीआईकेब्स के सीईओ शोक वशिष्ठ ने कहा, "हम साझेदारी को महत्व देते हैं और टिकाऊ गतिशीलता प्रदान करने के अपने निरंतर प्रयास में एमजी से निरंतर बिक्री और सेवाओं के समर्थन के लिए तत्पर हैं, हम अपने बेड़े में ईवी को जोड़ते रहेंगे। हमारा प्रयास अपने कॉर्पोरेट ग्राहकों को स्थायी और मजबूत गतिशीलता समाधान प्रदान करना है।

एमजी ने हाल ही में ऑटो एक्सपो में नेक्स्ट-जेन हेक्टर को कई नई तकनीकों, सहज सुविधाओं और ड्राइविंग आराम के साथ लॉन्च किया। भारत के सबसे बड़े 35.56 सेमी (14-इंच) एचडी पोर्ट्रेट इंफोटेनमेंट सिस्टम और एक नए यूजर इंटरफेस के साथ, नेक्स्ट-जेन हेक्टर के इंटीरियर को एक शानदार अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

जेडएस ईवी एमजी मोटर की ईवी क्षमता का प्रमाण है और यूके, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अब भारत सहित प्रमुख बाजारों में वैश्विक स्तर पर सफल रही है। यह उन्नत तकनीक के साथ सबसे बड़ी इन-सेगमेंट 50.3 kWh बैटरी के साथ आता है, जो एक बार चार्ज करने पर 461 किलोमीटर की प्रमाणित सीमा प्रदान करती है। भारत की पहली प्योर इलेक्ट्रिक इंटरनेट एसयूवी सेगमेंट में पहली बार पेश करती है डुअल पैनोरमिक स्कार्प, डिजिटल ब्लूथ की, रियर ड्राइव असिस्ट, 360° कैमरा, 75+ कनेक्टेड कार फीचर्स के साथ आई-स्मार्ट, हिल डिसेंट कंट्रोल और भी बहुत कुछ। 2020 में लॉन्च होने के बाद से MG ZS EVs ने 14.2 करोड़ किलोमीटर की दूरी तय की है और 2.05 करोड़ की बचत की है।

(स्रोत: autocarpro.in)

मेडा ने रूफटॉप सोलर सिस्टम के लिए 10 मेगावाट की निविदाएं कीं



महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी (MEDA) ने राज्य में विभिन्न स्थानों पर सरकारी भवनों पर पूंजीगत व्यय (CAPEX) मॉडल के तहत 10 मेगावाट ग्रिड से जुड़े रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करने और चालू करने के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। सफल बोलीदाता को पांच साल तक परियोजना के संचालन और रखरखाव का काम भी करना होगा।

बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि 15 मार्च, 2023 है। बोलियां अगले दिन खोली जाएंगी।

बोलीदाताओं को सुरक्षा जमा के रूप में 1kW से 10 kW की सीमा में परियोजनाओं के लिए ₹200,000 (~\$2,438) जमा करना होगा।

10kW से 100kW की रेंज में परियोजनाओं के लिए ₹300,000 (~\$3,658) और 100 kW से 500 kW की रेंज में परियोजनाओं के लिए ₹500,000 (~\$6,096) होंगे।

विभिन्न श्रेणियों के तहत रूफटॉप सोलर सिस्टम के लिए निर्धारित दरें नीचे दी गई हैं:

टेंडर के तहत रूफटॉप सोलर सिस्टम की अधिकतम क्षमता 500 किलोवाट होगी।

सौर ऊर्जा उत्पादन मीटर को नेट मीटर, नेट बिलिंग या मीटर के पीछे की व्यवस्था के साथ स्थापित करने की आवश्यकता है।

1kW से 10kW श्रेणी के लिए, बोलीदाताओं के पास पिछले तीन वर्षों के दौरान 5 kW क्षमता की एकल परियोजना सहित 10 kW सौर प्रणाली की कुल क्षमता स्थापित करने का अनुभव होना चाहिए।

10 kW से 100 kW श्रेणी के लिए, बोलीदाताओं के पास पिछले तीन वर्षों के दौरान 50 kW की एकल परियोजना सहित 100 kW सौर

प्रणाली की कुल क्षमता स्थापित करने का अनुभव होना चाहिए।

100 kW से 500 kW श्रेणी के लिए, बोलीदाताओं के पास पिछले तीन वर्षों के दौरान 100 kW क्षमता की एकल परियोजना सहित 500 kW सौर प्रणालियों की कुल क्षमता स्थापित करने का अनुभव होना चाहिए।

साथ ही, पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान बोलीदाताओं का औसत वार्षिक कारोबार ₹40 मिलियन (~\$487,680) होना चाहिए।

पिछले साल जून में, MEDA ने अक्षय ऊर्जा सेवा कंपनी (RESCO) मॉडल के तहत राज्य के विभिन्न स्थानों पर सरकारी भवनों पर 10 मेगावाट ग्रिड से जुड़े रूफटॉप सोलर सिस्टम को लागू करने के लिए टैरिफ की खोज के लिए एक्सप्रेसन ऑफ इंटरेस्ट (EoI) जारी किया था।

इससे पहले, MEDA ने राज्य के नागपुर जिले में 564 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक जिला परिषद स्कूलों (2kW प्रत्येक) में 1.128 मेगावाट ग्रिड से जुड़े रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करने के लिए इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (EPC) ठेकेदारों से बोलियां आमंत्रित की थीं।

मेरकॉम के इंडिया सोलर टेंडर ट्रैकर के अनुसार, मेडा ने अब तक 55 मेगावाट की रूफटॉप सौर क्षमता के लिए निविदाएं जारी की हैं।

(स्रोत : mercomindia.कॉम)

लाखों पाठक

देखें आपका विज्ञापन

info@batterybusiness.in

www.batterybusiness.in



ओलेक्ट्रा को तेलंगाना परिवहन निगम से 550 इलेक्ट्रिक बसों का ऑर्डर मिला है

मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) की सहायक कंपनी ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक को तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) से 550 इलेक्ट्रिक बसों का ऑर्डर मिला है।

कंपनी ने कहा कि बड़े पैमाने पर स्वच्छ, हरित सार्वजनिक परिवहन के लिए तेलंगाना की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पहल के लिए यह आदेश महत्वपूर्ण है।

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक के चेयरमैन और एमडी के. वी. प्रदीप ने कहा कि कंपनी ने टीएसआरटीसी से 50 स्टैंडर्ड फ्लोर 12-मीटर इंटरसिटी कोच ई-बसों और 500 लो फ्लोर 12-मीटर इंटरसिटी ई-बसों की आपूर्ति का ऑर्डर जीता है।

ई-बसों को जल्द ही चरणों में वितरित किया जाएगा।

ओलेक्ट्रा ने कहा कि इसकी ई-बसों से हैदराबाद में शोर और उत्सर्जन के स्तर में काफी कमी आने की उम्मीद है।

टीएसआरटीसी के साथ ओलेक्ट्रा का जुड़ाव

मार्च 2019 में 40 ई-बसों के साथ शुरू हुआ था। ये बसें हवाईअड्डे से हैदराबाद के विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाई जा रही हैं।

50 इंटरसिटी ई-बसें तेलंगाना में हैदराबाद और आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा के बीच चलेंगी।

कंपनी ने कहा कि वातानुकूलित बसें एक बार चार्ज करने पर 325 किमी से अधिक की यात्रा कर सकती हैं।

इंटरसिटी सेगमेंट में, 500 ई-बसें हैदराबाद के भीतर चलेंगी। प्रत्येक ई-बस एक बार चार्ज करने पर 225 किमी से अधिक की दूरी तय कर सकती है।

टीएसआरटीसी ने इन ई-बसों की तैनाती और संचालन के लिए जुड़वां शहरों में पांच डिपो आवंटित किए हैं।

ओलेक्ट्रा ने कहा कि इष्टतम प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए इसकी ई-बसों को फास्ट चार्जिंग स्टेशनों पर चार्ज किया जाएगा।

TSRTC के अध्यक्ष बजीरेड्डी गोवर्धन ने

कहा, "TSRTC की अगले दो वर्षों में राज्य भर में 3,400 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराने की योजना है।"

हाल ही में, कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विस लिमिटेड (CESL), एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी द्वारा आयोजित एक बोली प्रक्रिया ने ई-बसों को एक सेवा के रूप में दिखाया है जो शहरी सार्वजनिक परिवहन के साथ या उसके बिना सबसे अधिक लागत प्रभावी दृष्टिकोण के रूप में उभरा है। सब्सिडी।

पिछले सितंबर में, CESL ने 'नेशनल ई-बस प्रोग्राम (फेज-1)' के तहत 5,690 ई-बसों की खरीद और संचालन और रखरखाव और संबद्ध इलेक्ट्रिक और सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए बस ऑपरेटरों का चयन करने के लिए बोलियां आमंत्रित कीं, जिसका उद्देश्य 50,000 को तैनात करना है।

(स्रोत: mercomindia.कॉम)

ऑक्सीजन-आयन बैटरी

सामान्यक सामग्री के आधार पर ऑक्सीजन-आयन-बैटरी का आविष्कार किया गया है। यदि यह खराब हो जाता है, तो इसे पुनः उत्पन्न किया जा सकता है, इसलिए संभावित रूप से इसका जीवनकाल बहुत लंबा होता है। इसके अलावा, इसमें किसी दुर्लभ तत्व की आवश्यकता नहीं होती है और यह अतुलनीय है। बड़ी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए, यह एक इष्टतम समाधान हो सकता है।

लिथियम-आयन बैटरी आज सर्वव्यापी हैं - इलेक्ट्रिक कारों से लेकर स्मार्टफोन तक। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे आवेदन के सभी क्षेत्रों के लिए सबसे अच्छा समाधान हैं। टीयू वीन अब ऑक्सीजन-आयन बैटरी विकसित करने में सफल रही है जिसके कुछ महत्वपूर्ण फायदे हैं। यद्यपि यह लिथियम-आयन बैटरी के रूप में उच्च ऊर्जा घनत्व की अनुमति नहीं देता है, इसकी भंडारण क्षमता समय के साथ अपरिवर्तनीय रूप से कम नहीं होती है: इसे पुनः उत्पन्न किया जा सकता है और इस प्रकार यह बहुत लंबी सेवा जीवन को सक्षम कर सकता है।

इसके अलावा, ऑक्सीजन-आयन बैटरी दुर्लभ तत्वों के बिना उत्पादित की जा सकती हैं और गैर-दहनशील सामग्रियों से बनी होती हैं। नए बैटरी विचार के लिए एक पेटेंट आवेदन पहले ही स्पेन के सहयोग भागीदारों के साथ दायर किया जा चुका है। ऑक्सीजन-आयन बैटरी बड़ी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए एक उत्कृष्ट समाधान हो सकती है, उदाहरण के लिए नवीकरणीय स्रोतों से विद्युत ऊर्जा का भंडारण करना।

एक नए समाधान के रूप में सिरैमिक सामग्री टीयू वियन में इंस्टीट्यूट फॉर केमिकल टेक्नोलॉजीज एंड एनालिटिक्स के अलेक्जेंडर स्मिड कहते हैं, "हमारे पास सिरैमिक सामग्रियों के साथ बहुत अनुभव है जो कि कुछ समय के लिए ईंधन कोशिकाओं के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।" "इससे हमें यह जांचने का विचार मिला कि क्या ऐसी सामग्री बैटरी बनाने के लिए भी उपयुक्त हो सकती है।"

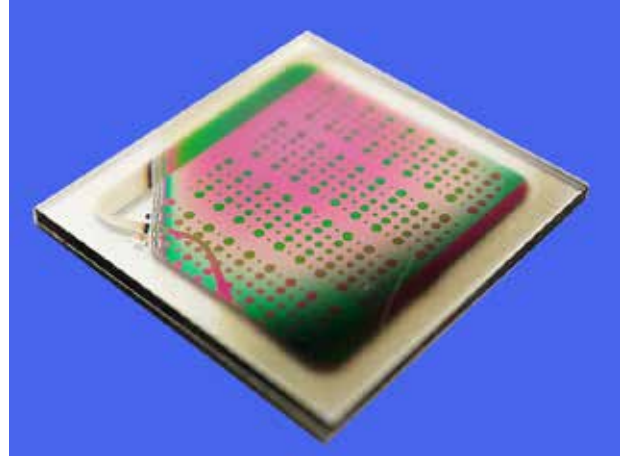
टीयू वियन टीम ने जिन सिरैमिक सामग्रियों का अध्ययन किया है, वे नकारात्मक रूप से चार्ज किए गए ऑक्सीजन आयनों को अवशोषित और छोड़ सकते हैं। जब एक विद्युत वोल्टेज लागू किया जाता है, तो ऑक्सीजन आयन एक सिरैमिक सामग्री से दूसरे में चले जाते हैं, जिसके बाद उन्हें फिर से माइग्रेट करने के लिए बनाया जा सकता है, इस प्रकार विद्युत प्रवाह उत्पन्न होता है।

"बुनियादी सिद्धांत वास्तव में लिथियम-आयन बैटरी के समान है," प्रोफेसर जुरगेन प्लेग कहते हैं। "लेकिन हमारी सामग्री के कुछ महत्वपूर्ण फायदे हैं।" मिट्टी के पात्र ज्वलनशील नहीं होते -- इसलिए लिथियम-आयन बैटरी से बार-बार होने वाली अग्नि दुर्घटनाओं को व्यावहारिक रूप से खारिज कर दिया जाता है। इसके अलावा, दुर्लभ तत्वों की कोई आवश्यकता नहीं है, जो महंगे हैं या केवल पर्यावरण की दृष्टि से हानिकारक तरीके से निकाले जा सकते हैं।

टोबीस ह्यूबर कहते हैं, "इस संबंध में, सिरैमिक सामग्री का उपयोग एक बड़ा फायदा है क्योंकि उन्हें बहुत अच्छी तरह से अनुकूलित किया जा सकता है।" "आप कुछ ऐसे तत्वों को बदल सकते हैं जिन्हें अपेक्षाकृत आसानी से दूसरों के साथ प्राप्त करना मुश्किल है।" बैटरी का प्रोटोटाइप अभी भी लेप्टेनियम का उपयोग करता है - एक ऐसा तत्व जो बिल्कुल दुर्लभ नहीं है लेकिन पूरी तरह से सामान्य भी नहीं है। लेकिन यहां तक कि लेप्टेनियम को भी कुछ सस्ता द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना है, और इस पर शोध पहले से ही चल रहा है। कई बैटरियों में इस्तेमाल होने वाले कोबाल्ट या निकल का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं होता है।

उच्च जीवन काल लेकिन शायद नई बैटरी तकनीक का सबसे महत्वपूर्ण लाभ इसकी संभावित दीर्घायु है: "कई बैटरियों में, आपको समस्या है कि किसी बिंदु पर चार्ज वाहक आगे नहीं बढ़ सकते हैं," अलेक्जेंडर स्मिड कहते हैं। "तब उनका उपयोग बिजली पैदा करने के लिए नहीं किया जा सकता है, बैटरी की क्षमता कम हो जाती है। कई चार्जिंग चक्रों के बाद, यह एक गंभीर समस्या बन सकती है।"

हालांकि, ऑक्सीजन-आयन बैटरी को बिना किसी समस्या के पुनर्जीवित किया जा सकता है:



यदि साइड रिफ्रैक्शन के कारण ऑक्सीजन खो जाती है, तो नुकसान की भरपाई परिवेशी वायु से ऑक्सीजन द्वारा की जा सकती है।

नई बैटरी अवधारणा स्मार्टफोन या इलेक्ट्रिक कारों के लिए अभिप्रेत नहीं है, क्योंकि ऑक्सीजन-आयन बैटरी केवल लिथियम-आयन बैटरी से उपयोग की जाने वाली ऊर्जा घनत्व का लगभग एक तिहाई प्राप्त करती है और 200 और 400 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान पर चलती है। हालांकि, ऊर्जा भंडारण के लिए तकनीक बेहद दिलचस्प है।

"यदि आपको सौर या पवन ऊर्जा को अस्थायी रूप से संग्रहीत करने के लिए एक बड़ी ऊर्जा भंडारण इकाई की आवश्यकता है, उदाहरण के लिए, ऑक्सीजन-आयन बैटरी एक उत्कृष्ट समाधान हो सकती है," अलेक्जेंडर स्मिड कहते हैं। "यदि आप ऊर्जा भंडारण मॉड्यूल से भरी एक पूरी इमारत का निर्माण करते हैं, तो कम ऊर्जा घनत्व और बड़ा हुआ ऑपरेटिंग तापमान निर्णायक भूमिका नहीं निभाते हैं। लेकिन हमारी बैटरी की ताकत वहां विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगी: लंबी सेवा जीवन, बड़े उत्पादन की संभावना दुर्लभ तत्वों के बिना इन सामग्रियों की मात्रा, और तथ्य यह है कि इन बैटरियों के साथ आग का कोई खतरा नहीं है।"

(स्रोत : Vienna University of Technology, sciencedaily.com)

इलेक्ट्रिक वाहनों का भविष्य

इलेक्ट्रिक वाहन क्या है?

एक इलेक्ट्रिक वाहन क्या है को एक वाहन के रूप में परिभाषित किया गया है जिसे एक इलेक्ट्रिक मोटर द्वारा संचालित किया जा सकता है जो बैटरी से बिजली खींचता है और एचईवी और पीएचईवी में स्वयं द्वारा बाहरी स्रोत से भी चार्ज करने में सक्षम है।

ईवी का लाभ:

• ईंधन की आवश्यकता नहीं है इसलिए आप गैस या पेट्रोल पर पैसे बचाते हैं। \$0.10 प्रति kW का भुगतान गैसोलीन पर ड्राइविंग के बराबर है जिसकी लागत \$1 प्रति गैलन से कम है।

• पर्यावरण के अनुकूल क्योंकि वे प्रदूषकों का उत्सर्जन नहीं करते हैं। ...

- कुशल विद्युत मोटर के कारण कम रखरखाव।
- बेहतर प्रदर्शन।

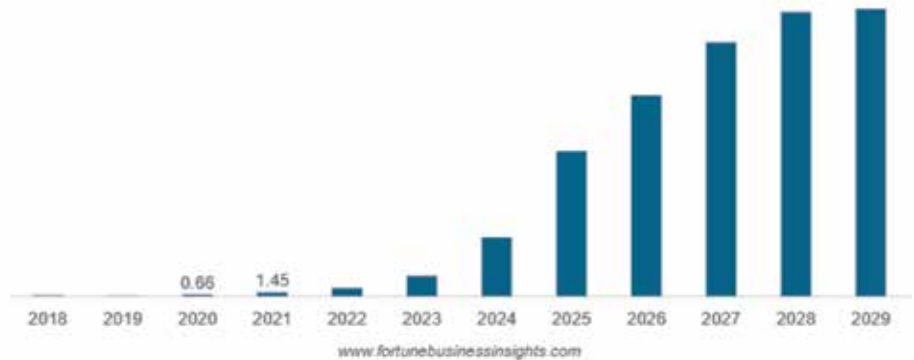
भारत में ईवी का दायरा

भारत के इलेक्ट्रिक वाहन बाजार का आकार 2021 में 1.45 बिलियन अमेरिकी डॉलर आंका गया था और 2022 में बाजार के 3.21 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़ने का अनुमान है।

(2022) के दौरान 47.09% सीएजीआर पर 2027 तक 15,397.19 मिलियन अमरीकी डालर तक बढ़ने का अनुमान है।

भारतीय विदेशी मुद्रा भंडार में भी कमी आती है।
• वैश्विक जलवायु परिवर्तन, गर्मी उत्सर्जन, पेरिस जलवायु समझौते और सेल्फ-ड्राइविंग कारों

India Electric Vehicle Market Size, 2018-2029 (USD Billion)



भारत के लिए वरदान क्यों हैं इलेक्ट्रिक वाहन? तथ्य

• दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में भारत के 6 शहर हैं। प्रदूषण में इस वृद्धि का सबसे बड़ा कारण जीवाश्म ईंधन है। भारत में लगभग सभी वाहन, दोपहिया, चौपहिया वाहन और यहां तक कि

पर उन्नत कृत्रिम प्रौद्योगिकी का प्रभाव। गतिशीलता की दुनिया में अगली क्रांति निस्संदेह ई-वाहन है।

ये सभी बिंदु जीवाश्म ईंधन से ई-वाहनों पर स्विच को उचित ठहराते हैं। सभी विकसित देश पहले से ही ई-वाहनों की ओर रुख कर रहे हैं।

India Electric Vehicle Market Share, By Platform, 2021



इलेक्ट्रिक वाहन का भविष्य

भारत सरकार ने 2030 तक 30% इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने का लक्ष्य रखा है।

यह 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन तक पहुंचने के लिए सुसंगत है। भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार 2021 में 1,434.04 मिलियन अमरीकी डालर का था, और पूर्वानुमान अवधि

कुछ क्षेत्रों में ट्रेनें भी जीवाश्म ईंधन पर चलती हैं।

• भारत का तेल आयात-भारत की कच्चे तेल के आयात पर कुल निर्भरता 86% है, जिसका अर्थ है कि देश की ऊर्जा आवश्यकताओं का केवल 14% देश द्वारा पूरा किया जाता है; बाकी आयात किया जाता है। फिर भी, इन आयातों के लिए अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होती है, जिससे

ईवी कारों को चुनने की जरूरत क्यों?

इलेक्ट्रिक वाहन अधिक कुशल हैं, और बिजली की लागत के साथ संयुक्त होने का मतलब है कि इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करना आपकी यात्रा आवश्यकताओं के लिए पेट्रोल या डीजल भरने से सस्ता है। अक्षय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को अधिक पर्यावरण के अनुकूल बना सकता है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लाभ:

• ईंधन की आवश्यकता नहीं है इसलिए आप गैस पर पैसे बचाते हैं। \$0.10 प्रति kW का भुगतान गैसोलीन पर ड्राइविंग के बराबर है जिसकी लागत \$1 प्रति गैलन से कम है। ...

• पर्यावरण के अनुकूल क्योंकि वे प्रदूषकों का उत्सर्जन नहीं करते हैं।

- कुशल विद्युत मोटर के कारण कम रखरखाव।
- बेहतर प्रदर्शन।

(यह जानकारी SIEGER GROUP के सीनियर प्रोडक्शन इंजीनियर श्री अतुल श्रीवास्तव द्वारा प्रदान की गई है।)

ऑटोमोबाइल का आधुनिकीकरण



ईवी का विकास हमारे पर्यावरण में मौजूद जीवाश्म ईंधन के दिन-ब-दिन क्षरण के कारण हुआ और गैर-इलेक्ट्रिक वाहन भी पर्यावरण के क्षरण और हमारे वायुमंडल से ओजोन परत की कमी का एक प्रमुख कारण हैं। इसलिए ईवीएस को अधिक हरा यानी प्रकृति के अनुकूल माना जाता है। और अन्य जीवाश्म ईंधन वाहनों की तुलना में टिकाऊ भी है।

ईवी क्या है?

सबसे पहले EV का मतलब Electric Vehicle है या संक्षेप में यह एक ऐसा वाहन है जो बिजली से चलने वाली मोटरों पर चलता है जो लिथियम आयन-बैटरियों से बिजली की खपत करता है।

ईवी की शुरुआत अभिशाप है या वरदान?

अगर हम इलेक्ट्रिक वाहनों और पेट्रोल कारों दोनों की तुलना करें तो दोनों में अलग-अलग कमियां और फायदे भी हैं। इंजन से चलने वाले वाहनों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहन कहीं अधिक बेहतर होते हैं। आजकल लोग ईवी में गहरी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। सरकार भी इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री बढ़ाने और लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों और समय के साथ आधुनिकीकरण से परिचित कराने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के अंतरराष्ट्रीय अभियान का हिस्सा बनने जैसी पहल कर रही है। साथ ही भारत

सरकार ने सितंबर 2021 में "शून्य-शून्य-प्रदूषण गतिशीलता अभियान" के तहत एक सर्वेक्षण शुरू किया है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रकार

सेवा में विभिन्न प्रकार के ईवी हैं लेकिन मुख्य रूप से उपयोग में हम दो प्रकारों पर विचार करते हैं;

• BEV (बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन)

ये विद्युत रूप से मोटर चालित वाहन हैं जिनमें सामान्य रिचार्जबल बैटरी होती है जैसे हम अपनी डिवाइस बैटरी को रिचार्ज करते हैं। BEV केवल बैटरी की शक्ति पर चलती है इसमें ऊर्जा का कोई अन्य स्रोत नहीं होता है। BEV एक बहुत ही पर्यावरण के अनुकूल वाहन है क्योंकि यह पर्यावरण के संबंध में हानिकारक उत्सर्जन नहीं है और इसकी अच्छी आर्थिक प्रतिक्रिया भी है। इनमें कोई पेट्रोल शक्ति नहीं है क्योंकि इसमें आंतरिक दहन इंजन शामिल नहीं है। इस तरह बीईवी को ध्यान में रखा जाता है।

• PHEV (हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों में प्लग)

PHEV एक इलेक्ट्रिक वाहन है जो बैटरी या पेट्रोल (गैसोलाइन) से बिजली की खपत करता है। वे अन्य बैटरियों की तुलना में बहुत हल्के होते हैं। PHEV होने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह इलेक्ट्रिक पावर और पेट्रोल (GASOLINE)

पर निर्भर इंजन का दोहरा अनुप्रयोग है। आंतरिक दहन इंजन। जैसे कि कोई व्यक्ति अपने ईवी की बैटरी को रिचार्ज करने में सक्षम नहीं हो रहा है या यदि वह व्यक्ति किसी दूरस्थ स्थान के बीच कहीं से भी बिजली से बाहर चला जाता है तो वह बिजली की खपत को पेट्रोल में बदल सकता है और आसानी से रोल कर सकता है किसी भी स्थान पर जहाँ उसे चार्जिंग पॉइंट या चार्जिंग ग्रिड मिलेगा।

इलेक्ट्रिक वाहनों से जुड़े खतरे:

ईवी से संबंधित विभिन्न खतरे हैं जिनमें मुख्य रूप से रासायनिक, विद्युत और तापीय खतरे शामिल हैं। प्रमुख खतरों में से एक जो आमतौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों में देखा जाता है वह आग का खतरा है।

आज तक किसी भी इलेक्ट्रिक वाहन में सबसे ज्यादा समस्या आग लगने की होती है। इसके कई कारण हैं जैसे गर्म गर्मी और खराब तापीय व्यवस्था आदि। चूंकि तेज गर्मी बैटरी को गर्म करने और फिर आग लगने का कारण बनती है! बैटरी प्रबंधन प्रणाली की विफलता भी, जो एक सॉफ्टवेयर विफलता समस्या है जिसके परिणामस्वरूप ईवी के असामान्य व्यवहार और कार्यप्रणाली होती है क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों का कामकाज सॉफ्टवेयर पर निर्भर करता है।

थर्मल खतरे:

कभी-कभी लिथियम आयन बैटरी थर्मल

विफलता से गुजरती हैं। थर्मल विफलताओं में बैटरी असामान्य तरीके से व्यवहार करती है जैसे बढ़ते और घटते तापमान और दबाव में उतार-चढ़ाव जिसके परिणामस्वरूप ज्वलनशील गैसों का विकास होता है। फिर उच्च तापमान के कारण गैसों अपने ऑटो-इग्निशन तापमान तक पहुंच जाती हैं और आग लग जाती है। जगह।

साथ ही विद्युत प्रणालियों के खराब कनेक्शन के कारण शॉर्ट सर्किट जैसी कई समस्याएं हैं। अंततः जो वाहन नियंत्रण प्रणालियों के कामकाज के गलत व्यवहार की ओर ले जाती हैं।

सुरक्षा:

इन सभी खतरों से सुरक्षा के लिए एक व्यक्ति को स्पीडोमीटर पर दिखने वाले संकेतों और प्रतीकों के प्रति सतर्कता रखनी चाहिए और कार के थर्मामीटर की निगरानी भी करनी चाहिए। जैसा कि ओवरहीटिंग या सिस्टम की विफलता के मामले में होता है कि मीटर संकेत प्रदर्शित करता है ताकि किसी को संभावित खतरों के बारे में पता चल सके जो कि हो सकते हैं।

साथ ही लोगों को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि इस प्रकार की स्थिति से कैसे निपटा जाए। इसके लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग

करने वाले लोगों को उचित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

लोगों को किसी भी इलेक्ट्रिक वाहन में किस प्रकार की आग का सामना करना पड़ेगा, इसके बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों में आग लग सकती है।

क्लास ए जो आग का ठोस प्रकार है

क्लास बी जो आग का तरल प्रकार है

क्लास सी जो आग का गैस प्रकार है

और कक्षा ई जो विद्युत आग है।

आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रशिक्षण:

यदि कोई ईवी से संबंधित किसी आपात स्थिति के मामले में प्रतिक्रिया देना चाहता है, तो इस मामले में व्यक्ति को घबराना नहीं चाहिए और संभावित समाधान की ओर देखना चाहिए। प्रत्येक विद्युत वाहन में आग के उस सम्मानित वर्ग के लिए उपयुक्त अग्निशामक यंत्र होना चाहिए और आजकल आधुनिक अग्निशामक यंत्र आ गए हैं। सेवा में जो सभी ए बी सी ई श्रेणी की आग बुझाने में सक्षम हैं। लोगों को इस तरह की स्थिति में तनावग्रस्त होने और सब कुछ छोड़ने के बजाय अग्निशामन का पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। इस तरह हम किसी भी कर्मचारी की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं जो

विद्युत वाहन का उपयोगकर्ता है।

भारतीय बाजार में 3 सर्वश्रेष्ठ ईवी इस प्रकार हैं:

टाटा नेक्सॉन ईवी

ट्रांसमिशन: स्वचालित

बैटरी क्षमता: 30.2 kWh

रेंज: 312 कि.मी

पावर: 127बीएचपी

चार्जिंग समय: 8.5 घंटे

टाटा टिगोर ईवी

ट्रांसमिशन: स्वचालित

बैटरी क्षमता: 26kWh

रेंज: 315 घंटे

पावर: 73.75बीएचपी

चार्जिंग समय: 7.5 घंटे

कुव ई100 ईवी

संचरण: स्वचालित

बैटरी क्षमता: 15.9kWh

रेंज: 150 किमी

पावर: 54.4बीएचपी

चार्जिंग समय: 6 घंटे

(यह लेख स्वतंत्र लेखक श्री अदनान द्वारा लिखा गया है)

WEBDESIGN | SOCIAL MEDIA ADVERTISING | DIGITAL MARKETING | SEO



DIGICONNECT

....Easy Connect

CALL & WHATSAAP 9315 62 9212

VERATEK®

Energy Revolution

SOLAR TALL TUBULAR BATTERY

POWER BACKUP SOLUTION

QUICK RECHARGE > MORE BACKUP >



LOW MAINTENANCE



HIGH POWER



SELENIUM INSIDE

Contact : +91 9810622544 | Email : amtekbatteries@gmail.com

इलेक्ट्रिक हवाई जहाज के लिए बैटरी पर बीएई सिस्टम्स और हार्ट एयरोस्पेस करेंगे सहयोग

कमर्शियल इलेक्ट्रिक एयरप्लेन के लिए लाइटवेट और ग्राउंडब्रेकिंग बैटरी कुशल क्षेत्रीय हवाई यात्रा को सक्षम बनाएगी

अग्रणी एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी बीएई सिस्टम्स और स्वीडिश इलेक्ट्रिक हवाई जहाज निर्माता हार्ट एयरोस्पेस ने हार्ट के ईएस-30 क्षेत्रीय इलेक्ट्रिक हवाई जहाज के लिए बैटरी सिस्टम को परिभाषित करने के लिए सहयोग की घोषणा की है।

बैटरी एक इलेक्ट्रिक पारंपरिक टेकऑफ़ और लैंडिंग (ईसीटीओएल) क्षेत्रीय विमान में एकीकृत होने वाली अपनी तरह की पहली होगी, जिससे यह शून्य उत्सर्जन और कम शोर के साथ कुशलता से संचालित हो सकेगी।

बीएई सिस्टम्स में कंट्रोल्स एंड एवियोनिक्स सॉल्यूशंस के उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक एहतिसाम सिद्दीकी ने कहा, "हमारा उद्योग-अग्रणी समाधान टिकाऊ परिवहन को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों को वितरित करने वाली दशकों की विशेषज्ञता पर आधारित है।" "हम अपने इलेक्ट्रिक हवाई जहाज के लिए अभिनव बैटरी सिस्टम पर हार्ट एयरोस्पेस के साथ सहयोग करने से प्रसन्न हैं।"

कार्यक्रम बड़े, भारी शुल्क वाले औद्योगिक वाहनों के विद्युतीकरण में बीएई सिस्टम्स की 25 से अधिक वर्षों की विशेषज्ञता का लाभ उठाएगा। आज, कंपनी के पास दुनिया भर में 15,000 से अधिक शक्ति और प्रणोदन प्रणालियाँ हैं जो सेवा में काम कर रही हैं। कार्यक्रम पर काम न्यूयॉर्क के एंडिकॉट में कंपनी की अत्याधुनिक सुविधा में

आयोजित किया जाएगा।

"बीएई सिस्टम्स का हेवी-ड्यूटी ग्राउंड एप्लिकेशन के लिए बैटरी विकसित करने का व्यापक अनुभव, और एयरोस्पेस के लिए सुरक्षा महत्वपूर्ण नियंत्रण प्रणाली विकसित करने में उनका अनुभव, उन्हें ES-30 और विमानन उद्योग के लिए इस महत्वपूर्ण अगले चरण में एक आदर्श भागीदार बनाता है," हार्ट एयरोस्पेस की चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर सोफिया ग्रेफंड ने कहा। "हम एक साथ हवाई यात्रा को डीकार्बोनाइज़ करने के लिए तत्पर हैं।"

ES-30 हवाई जहाज चार इलेक्ट्रिक मोटर्स द्वारा संचालित होगा, और इसमें 200 किलोमीटर की पूरी तरह से इलेक्ट्रिक रेंज, 30 यात्रियों के साथ 400 किलोमीटर की विस्तारित रिजर्व हाइब्रिड रेंज और 25 यात्रियों के साथ 800 किलोमीटर तक उड़ान भरने की क्षमता है।

भविष्य की बैटरी तकनीक के परिपक्व होने के साथ ES-30 में लागत प्रभावी और स्केलेबल अपग्रेड पथ भी होगा। बैटरी अपग्रेड रोडमैप एक ही वजन पर उपयोग करने योग्य ऊर्जा में वृद्धि की अनुमति देता है, जिसके परिणामस्वरूप लंबी उड़ान अवधि और विस्तारित मार्ग विकल्प होते हैं।

हार्ट एयरोस्पेस के पास ES-30 के लिए कुल 230 ऑर्डर और 100 विकल्प हैं, साथ ही अतिरिक्त 108 हवाई जहाजों के लिए आशय पत्र

भी है।

बताते चलें कि BAE Systems, Inc. और इसके 34,000 लोग वैश्विक रक्षा, एयरोस्पेस और सुरक्षा कंपनी का हिस्सा हैं, जिसके दुनिया भर में 89,600 कर्मचारी हैं। हवा, जमीन, समुद्र और अंतरिक्ष के साथ-साथ उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, खुफिया, सुरक्षा और आईटी समाधान और समर्थन सेवाओं के लिए उत्पादों और सेवाओं की एक पूरी श्रृंखला प्रदान करते हैं। हमारा समर्पण उन सभी चीजों में दिखता है जिन्हें हम डिज़ाइन करते हैं, बनाते हैं और वितरित करते हैं—उन लोगों की सुरक्षा के लिए जो एक उच्च-प्रदर्शन, नवीन संस्कृति में हमारी रक्षा करते हैं। हम अपने ग्राहकों को महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करने के लिए संभावना की सीमा को आगे बढ़ाते हैं जहां यह मायने रखता है।

दूसरी ओर हार्ट एयरोस्पेस टिकाऊ भविष्य की दिशा में योगदान करते हुए प्रौद्योगिकी के अत्याधुनिक तरीके से काम करते हैं। हार्ट का मिशन दुनिया का सबसे हरा-भरा, सबसे सस्ता और परिवहन का सबसे सुलभ रूप बनाना है। यह मिशन इस दृष्टिकोण पर आधारित है कि विद्युत हवाई यात्रा क्षेत्रीय उड़ानों के लिए नई सामान्य हो जाएगी और उद्योग की प्रमुख स्थिरता चुनौतियों को दूर करने में परिवर्तनकारी हो सकती है।

(यह समाचार www.businesswire.com से लेकर प्रकाशित किया जा रहा है)





पंच पक्षकार

हरिप्रसाद और रामप्रसाद दोनों सगे भाई थे। उम्र के आखिरी पड़ाव तक दोनों के रिश्ते ठीक-ठाक थे। दोनों ने आपसी सहमति से रामनगर चौराहे के पैतृक जमीन पर दुकान बनाने का सोचा, ताकि उससे उनको जो आय हो उससे उनका जीवन सुचारू रूप से चल सके।

दुकान का काम चल ही रहा था तभी हरिप्रसाद और रामप्रसाद के बीच कुछ बातों को लेकर विवाद हो गया और उनमें बातचीत होना बंद हो गया। जिससे उनकी दुकान का काम भी रुक गया। दोनों एक दूसरे पर खूब आरोप-प्रत्यारोप भी लगाने लगे। बढ़ते विवाद को देख उसे सुलझाने के लिए उनके पड़ोसियों ने मोहल्ले के कुछ लोगों को जुटाकर एक पंचायत बुलाई, परन्तु पंचायत के सामने भी दोनों आपसी विवाद को खत्म करने के लिए तैयार नहीं हो रहे थे।

बल्कि एक दूसरे पर एक से बढ़कर एक आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे थे। पंचायत ने भी मामले को बढ़ते देख उन्हें कुछ दिनों के लिए एक-दूसरे से दूर रहने की कड़ी हिदायत दी जिससे

उनका विवाद हिंसा का रूप धारण न कर सके। इसके साथ ही पंचायत ने दुकान के बचे आधे-अधूरे काम को पूरा करने की जिम्मेदारी गांव के एक पढ़े-लिखे व्यक्ति विनोद को दे दिया ताकि दोनों भाईयों के विवाद से उनके धन का नुकसान ना हो। हरिप्रसाद और रामप्रसाद ने भी विनोद को पंच परमेश्वर का दर्जा देते हुए दुकान के बचे हुए काम को पूरा करने के लिए विनोद के नाम पर सहमत हो गए।

प्रसिद्ध उपन्यासकार एवं कहानीकार मुंशी प्रेमचंद की कहानी पंच परमेश्वर की तरह यहाँ भी समाज में हरिप्रसाद का सम्मान उनके धन से तो रामप्रसाद का सम्मान उनके अच्छे व्यवहार की वजह से लोगों में था। परंतु, शास्त्रों में कहा गया है कि कलयुग में मूर्ख, चोर और बेईमान आदमी अपने पद और धन के कारण समाज में श्रेष्ठ होगा और उसके प्रति लोगों का झुकाव जल्दी होगा। ठीक वैसे ही विनोद का झुकाव हरिप्रसाद की तरफ जल्दी हो गया।

विनोद हरिप्रसाद के हर बातों का अमल दुकान के कार्यों में करता और यदि रामप्रसाद इसका विरोध करना चाहता तो उसकी बातों को अनसुना कर देता या रामप्रसाद को तीन-पांच पढ़ा उसकी बात टाल देता। कुछ दिन तक ऐसे ही चलता रहा और धीरे-धीरे रामप्रसाद को भी इस बात का एहसास होने लगा की वह ठगा जा रहा है

और उसके साथ अन्याय हो रहा है। उसने इसके संदर्भ में विनोद से सीधा बात करना ही उचित समझा।

अगली सुबह खेत और घर के जरूरी काम निपटा रामप्रसाद विनोद के घर जा पहुंचा और कहने लगा- "विनोद भाई, पंचायत की सहमति पर मैंने आपको पंच परमेश्वर माना है और इसलिए एक पंच के नाते आपसे निष्पक्ष न्याय करने की गुहार लगाने आया हूँ।"

इतना सुनते ही विनोद गुस्से में रामप्रसाद को भला बुरा कहते हुए हरिप्रसाद के सामने उसकी तुच्छ औकात की बात करने लगा और हरिप्रसाद के तारीफों की पुल बांधने लगा। विनोद के इस स्वभाव और एक पक्षीय नजरिया को देखते हुए रामप्रसाद ने कहा- "विनोद जी, भले ही आज मेरी आर्थिक औकात हरिप्रसाद से छोटी है, परन्तु हरिप्रसाद के चंद रुपयों के लालच में आपने अपनी जमीन बेचकर अपनी औकात पंच परमेश्वर जैसे ऊँचे दर्जे से गिराकर पक्षकार के स्तर की बना ली।"

इतना सुनते ही विनोद के चेहरे का रंग उड़ गया और रामप्रसाद अपने कंधे पर गमछा रखते हुए घर की तरफ चल पड़ा।

अंकुर सिंह
हरदासीपुर, चंदवक,
जौनपुर, उ. प्र. -222129.



अंकुर सिंह

हरदासीपुर, चंदवक
जौनपुर, उ. प्र.

सबको पता है उधर से नहीं जाना है। पूरी कॉलोनी के बच्चे एक-दूसरे को बता रहे हैं, 'अरे देखो, उधर से मत जाना। क्यों भला!

कॉलोनी के बीच में छोटा-सा बाग है। बाग के चारों ओर पक्की सड़क बनी हुई है। बाईं ओर वाली सड़क के बीचों-बीच एक टोकरा उलटा रखा है। बच्चे बाग में काम करते हुए माली के पास जाकर बार-बार पूछते हैं, "माली भैया, उस टोकरे के नीचे क्या है?"

माली जवाब देता-देता परेशान हो गया है। वह बार-बार कहता है, "कोई उस टोकरे को न छुए। शाम को यहाँ जादू का खेल दिखाया जाएगा। जादूगर खुद आकर इस टोकरे को उठाएगा और फिर जादू दिखाएगा।"

अब बच्चे शाम को होने वाले जादू के खेल के बारे में बातें कर रहे हैं। सब एक-दूसरे को बता रहे हैं कि शाम को कॉलोनी में जादू का खेल होगा।

तभी एक ठेले वाला अपने ठेले पर सामान लादकर लाया। उसने अपनी जेब से पते वाला परचा निकालकर माली से पूछा। माली ने सामने वाले मकान की ओर संकेत करके बता दिया कि उस घर में जाना है। ठेले वाले ने सामान पहुँचा दिया फिर खाली ठेला ढकेलता हुआ बाहर की तरफ लौट चला। उसने भी पार्क के पास वाली सड़क पर उलटा पड़ा टोकरा देखा। ठेले वाला रुक गया। वह सोच रहा था, "इस टोकरे के नीचे क्या है?"

तभी दो बच्चे वहाँ से गुजरे। उन्होंने ठेले वाले से कहा, "उस तरफ मत जाना। उस टोकरे को मत छूना। शाम को जादूगर इस टोकरे के नीचे से खरगोश निकालकर दिखाएगा। तुम भी आना जादू का खेल देखने के लिए।"

ठेले वाला टोकरे के पास ही जमीन पर बैठकर पसीना पोंछने लगा। पेड़ की छाया भली लग रही थी। तभी उसके कानों में हलकी-सी आवाज आई। ठेले वाले ने देखा-आस-पास कोई परिंदा नहीं था, तब फिर आवाज कैसी थी। कहीं आवाज इस टोकरे के नीचे से तो नहीं आ रही है, जो सड़क पर औंधा रखा हुआ है।

ठेले वाले ने बाग में पेड़ की छाया के नीचे लेटे माली की ओर देखा। उससे पूछा, "क्यों भैया, इस टोकरे के नीचे क्या है?" उसे बच्चों की बात याद थी कि शाम को जादूगर इस टोकरे के नीचे से कोई अजीब चीज निकालेगा।

माली ने ठेले वाले को इशारे से पास बुलाया, खुद पेड़ की छाया में लेटा रहा। बोला, "बच्चों की बातें! क्या कहूँ। मैंने एक बार जादूगर का नाम क्या ले दिया, बस तभी से पूरी बस्ती के बच्चे "जादू का खेल" और "जादूगर" चिल्लाते घूम रहे हैं।" और धीरे से मुसकराया।

"जादूगर, जादू का खेल।" ठेले वाला



बुदबुदाया। उसने भी कई बार बचपन में जादू के खेल देखे थे, लेकिन वह सब तो पुरानी बात हो गई थी। आजकल तो सारा दिन ठेला खींचना पड़ता था। मन में आया-अगर शाम को जादू का खेल होगा तो वह भी देखेगा।

माली फिर हँसा। उसने कहा, "अरे कैसा जादू! यह तो मैंने बच्चों से वैसे ही कह दिया। अब पछता रहा हूँ कि क्यों कहा। थोड़ी-थोड़ी देर में पूछने आ जाते हैं, "कब आएगा जादूगर! कब दिखाएगा खेल?" असल में सड़क पर एक मरा हुआ कबूतर पड़ा है। जब मैं काम पर आया तो मैंने देखा उसे। आज सफाई वाला आया नहीं। इसलिए मैंने टोकरे से ढंक दिया ताकि किसी का पैर न पड़ जाए।"

ठेले वाले को याद आया उसने टोकरे के नीचे से हलकी-सी आवाज सुनी थी। उसने कहा, "सुनो भैया, मुझे लगता है कबूतर मरा नहीं। जरा चलकर तो देखो।"

"जाओ जी, अपना काम करो। हमने खुद अपनी आँखों से देखा था मरा हुआ कबूतर। यों पंख फैलाए पड़ा था। पंखों पर खून के धब्बे थे। वह एकदम मरा हुआ था, तभी तो मैंने टोकरे से ढंक दिया उसको।" माली ने तेज आवाज में कहा और फिर आँखें मूंद लीं। वह नहीं चाहता था कि मरे हुए कबूतर के बारे में ठेले वाला कोई और बात करे। शायद बच्चों के जवाब देता-देता परेशान हो चुका था।

लेकिन ठेले वाले को तसल्ली नहीं हुई। वह जाकर फिर से सड़क पर औंधे पड़े टोकरे के पास बैठ गया। उसने कान लगाए तो हलकी-सी आवाज फिर सुनाई दी। यह भ्रम नहीं था। ठेले वाले ने झपटकर टोकरा उठाया तो उसके नीचे पड़ा कबूतर दिखाई दिया। हाँ, उसके पंखों पर खून लगा था, पर वह एकदम मरा नहीं था। उसके एक पंख रह-रहकर कांपता तो जमीन से टकराकर हलकी-सी आवाज होती। ठेले वाले के कानों ने घायल कबूतर का पंख जमीन से टकराने की वही हलकी-सी आवाज सुन ली थी।

ठेले वाले ने हौले-से कबूतर को उठा लिया। माली को पुकारा, "अरे भाई, कबूतर मरा नहीं जिंदा है। जल्दी आओ।"

माली झटके से उठा और दौड़ता हुआ वहाँ आ गया। घायल कबूतर ठेले वाले के हाथों में हौले-

हौले हिल रहा था। माली अचरज से आँखें फाड़े देखता रह गया। ठेले वाले ने घायल कबूतर को माली के चेहरे के एकदम सामने कर दिया। बोला, "लो खुद ही देख लो। इसे तुमने मरा कहकर टोकरे से ढंककर छोड़ दिया था।"

माली को अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। उसने कहा, "सच कहता हूँ भैया, सुबह जब मैंने इसे देखा था तो यह मरा हुआ था।"

"तो क्या यह जादू से जिंदा हो गया?" ठेले वाले ने व्यंग्यपूर्ण स्वर में कहा, "अच्छा, बाकी बातें बाद में, पहले पानी लाओ।"

माली दौड़ा हुआ गया और एक बरतन में पानी ले आया। ठेले वाले ने कपड़े के टुकड़े को पानी में भिगोया फिर घायल कबूतर की चोंच खोलकर बूंद-बूंद पानी मुँह में डालने लगा। पानी पीकर कबूतर में जैसे नई ताकत आ गई। वह पहले के मुकाबले अधिक तेजी से पंख फड़फड़ाने लगा। ठेले वाले ने गीले कपड़े से धीरे-धीरे उसके पंखों पर लगा खून पोंछ दिया। अब कबूतर का पूरा शरीर हिल रहा था, शायद उसके घावों में तकलीफ हो रही थी।

माली ने कहा, "ओ ठेले वाले भाई! यह कबूतर बस थोड़ी देर का मेहमान है। इसे आराम से वहीं पड़ा रहने दो।"

ठेले वाले ने दोनों हाथों में घायल कबूतर के संभालते हुए कहा, "यह बच भी सकता है। और मैं इसकी जान बचाने की पूरी कोशिश करूँगा।"

"लेकिन..." माली कहता-कहता रुक गया। ठेले वाला घायल कबूतर को संभाले हुए ठेले के खींचता हुआ वहाँ से चल दिया। उसने माली की ओर बिना देखे कहा, "मैं नहीं जानता कि कैसे क्या होगा, पर मैं इसे मरने नहीं दूँगा।"

माली गुमसुम खड़ा रह गया, फिर धीरे-धीरे चलकर पेड़ के नीचे जा बैठा। उसके माथे पर पसीने की बूंदें चमक रही थीं। वह बड़बड़ाया, "मरा हुआ कबूतर फिर से जिंदा कैसे हो सकता है। क्या यह कोई जादू था।"

धूप हलकी हुई तो बच्चे घरों से निकल आए। सड़क पर पड़े टोकरे के पास घेरा बनाकर खड़े हो गए। वे माली से पूछने लगे, "जादूगर कब आएगा माली भैया!" बच्चे बार-बार एक ही बात दोहरा रहे थे।

माली कुछ देर चुप रहा, फिर बोला, "जादूगर आया था। वह जादू का खेल दिखाकर चला गया।" "चला गया!" बच्चों ने चकित स्वर में पूछा। माली चुप खड़ा था।



— देवेन्द्र कुमार

पतझड़

तेज हवाएं चल रही
झूम रहे तरुवर सारे
उड़ उड़ कर फैले
चंद्र ओर पत्ते सूखे
पतझड़ का मौसम है
आने वाला बसंत है

बदला मौसम का
अपना मिजाज़
केंचुल फेंक सांप
हो रहा मदमस्त
पतझड़ जाने वाला है
आने वाला है बसंत

बदल रही है धरती
चादर, अपनी पुरानी
पहनेगी अब नई पोशाक
आमों कि बौराई महकी
कुहुक उठी कोयल भी
गा रही अपनी गीत नई

नई कोंपलें फूटने वाली हैं
जाने वाला है पतझड़ ।

सुभाष चन्द्रा

गोमती नगर, लखनऊ



परेशान...

यूं तो जैसे गुनगुनाती धूप हो तुम सर्द की,
हम परेशां हैं कि कैसे हो वजह तुम दर्द की,
हो दवा बेशक ये माना तुम हमारे मर्ज की,
हम परेशां हैं कि कैसे हो वजह तुम दर्द की ।

जान से जाने के बाद ही कहो क्या आओगे,
मधुमास के जाने के बाद ही कहो क्या आओगे,
आओगे तुम किस तरह क्या तुम्हारी शर्त थी,
हम परेशां हैं कि कैसे हो वजह तुम दर्द की ।

कहो! तुम्हारे दिल की ख्वाहिश मुकम्मल हो गई ?
क्या गिला अब ना रहा जिंदगी मुकम्मल हो गई ?
क्या मुकम्मल हो गई ख्वाब मेरी दीद की?
हम परेशां हैं कि कैसे हो वजह तुम दर्द की ।

हम उधार मांग कर चंद्र सांसे लाए हैं ,
बस तुम्हारे वास्ते रौशन सी रातें लाए हैं ,
उतारकर आओगे तुम क्या जिंदगी का कर्ज भी,
हम परेशान हैं की कैसे हो वजह तुम दर्द की ।

रेगिस्तान सा बंजर कहीं जहान ये रह जाए ना ,
जब मोहब्बत ना रहेगी विरान ये रह जाए ना,
कौन गाएगा यहां गीत कोई प्रीत की,
हम परेशां हैं की कैसे हो वजह तुम दर्द की ।

बेखौफ उम्र बढ़ रही है हर गली की मोड़ से ,
पर सहम जाती कभी है धड़कनों के शोर से ,
धड़कनों के शोर में गुम हमने अपने गीत की
हम परेशां हैं कि कैसे तुम वजह हो दर्द की ।



रजनी उपाध्याय
अनूपपुर मध्य प्रदेश

समय

समय बहुत बलवान रे बन्दे,
समय बहुत बलवान ।
कदम मिलाकर चलो समय के,
समय बहुत बलवान ।।
चला समय से कदम मिला जो,
समय बनाये उसे महान ।
चला नहीं जो साथ समय के,
उसको कहाँ मिला सम्मान ।
कदम मिलाकर चलें समय के,
यह है ईश्वर का वरदान ॥

समय बहुत बलवान रे बन्दे,
समय बहुत बलवान ।
सूरज सदा समय से उगता,
सदा समय से चाँद उगे ।
नित्य समय से उगते तारे,
खग मृग अपने समय जगें ।
मानव मानव गले लगो अब,
मिलकर काम करें श्रीमान ॥

समय बहुत बलवान रे बन्दे,
समय बहुत बलवान ।
काम करो सब सही समय से,
कल के लिए नहीं छोड़ो ।
नियमित काम करो जीवन में,
और वक्त का मुँह मोड़ो ।
कभी नहीं जो समय गवाता,
वह ही बनता है धनवान ॥

समय बहुत बलवान रे बन्दे,
समय बहुत बलवान ।
कोई समय को पकड़ न पाया,
समय भागता रहता है ।
चला समय के साथ साथ जो,
समय उसे यह कहता है ।
सदा काल का हाथ पकड़ना,
कभी नहीं करना अपमान ।
समय बहुत बलवान रे बन्दे,
समय बहुत बलवान ।
कदम मिलाकर चलो समय के,
समय बहुत बलवान ॥



सुरेश चन्द्र जोशी

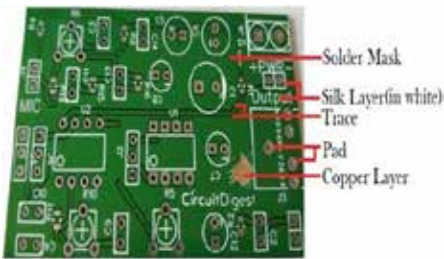
नोएडा, उत्तर प्रदेश

कविता, लघुकथा, कहानी, लेख आप भी भेज सकते हैं । संपादक मंडल अगर चयनित करते हैं तो बैटरी व्यापार में प्रकाशित होंगे । नीचे दिए गए ई-मेल आईडी पर मेल करें : info@batterybusiness.in

Surya Reddy Shared Information about PCB v/s PCBA

PCB:

A Printed Circuit Board(PCB) is a board with electrical circuitry called traces usually copper used in electrical & electronics application to join electronic components (like:- ICs, Diodes, capacitors, etc.) to one another in a controlled manner.



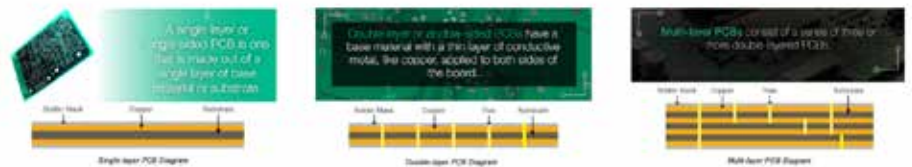
Terminologies used:-

- Soldermask:** A layer of protection that prevents Oxidation and acts as a safeguard for solder bridges and shorts when solder pads and/or traces are especially close together.
- Silkscreen:** It is used as a guide, routing or reference indication also for designer graphics.
- Copper Traces:** It is like wire routed below soldermask, used to connect components in a more compact way.
- Pads:** Pads are exposed metal areas used to connect components on the PCB usually solder is used for connection on surface of the pads.
- Layers:** It is nothing but number of conducting patterns in PCB, even single layered PCB can have multiple number of layers.
- Thru Hole Via:** It is a plated hole that goes from the top of the PCB all the way through to the bottom.

- Blind Via:** Hole starts from top of PCB and stops at some point and does not extend all the way.
- Buried Via:** Buried vias are contained within an internal structure, and do not have an external opening.
- Substrate:** It is an Insulating layer used for separating layers consisting of conductive material.

Types of PCB Board:-

Classification Based on number of layers:-



Classification Based on Flexibility:-



PCBA:-

The 'A' in PCBA stands for "assembly" which means assembly of electronic components on a bare PCB forming an operational electronic device ready for testing and use.

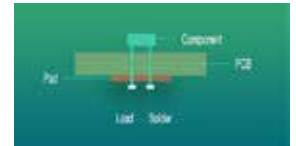
Types of PCBA:-

Surface Mount PCBA:-

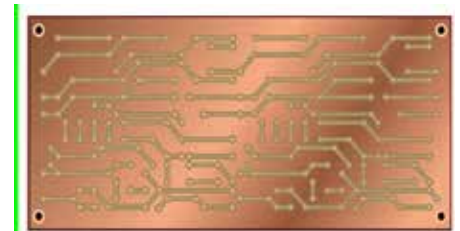
With SMT(Surface-Mount Technology), components are mounted directly on the surface of PCB. This type of assembly is used for small electronic components. But mounting components on the surface makes them more vulnerable to physical damage caused due to vibrations or Impact.

Thru Hole PCBA:-

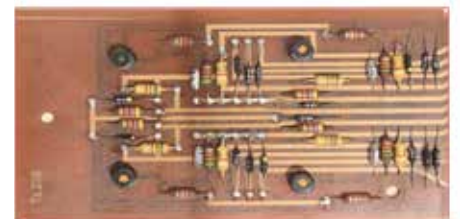
With THT(Thru-Hole Technology), components are inserted into holes drilled in PCB. This type of assembly is used for larger electronic components to achieve a more secure connection. THTPCBA is more resistant to physical damage caused due to vibrations or Impact.



Difference:-



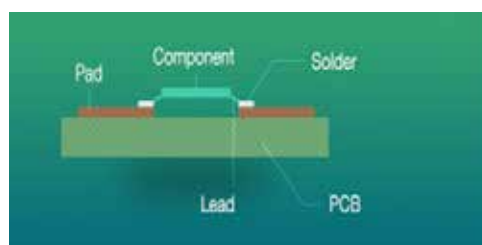
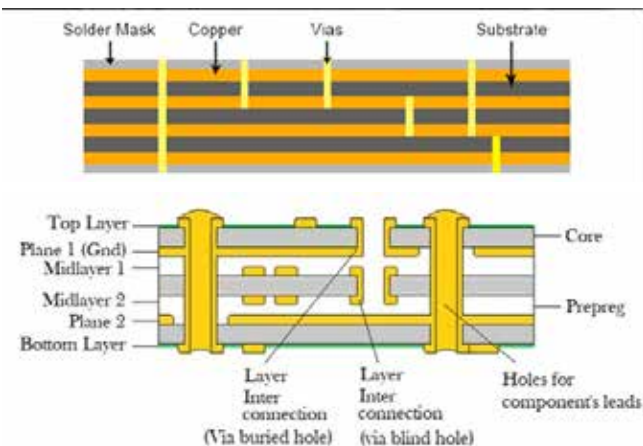
Printed Circuit Board



Printed Circuit Board Assembly

A PCB is a circuit board with no electronic components. After assembly of all the required electronic component on the PCB, it is called PCBA.

This article share by Surya Reddy





**FINDING
THE BEST SOLUTION**

हम हैं

डिजाइन समाधान

SuperStik™
.... चिपका रहे !
BATTERY STICKER
कभी सार ना छोड़ें !


**बैटरी स्टीकर • वारंटी कार्ड • लिफलेट
बॉक्स • टैग • टेन्ट कार्ड • कैलेण्डर
लोगो • स्टेशनरी • कैटलोग**

BRANDING | PRINTING | SOCIAL MEDIA

 **DESIGNWORLD**
GRAPHICS | WEB | PRINT

M.: 9582593779, 99101 83526, 99712 93665
E.: superstiklable@gmail.com | W.: www.designworldmedia.in

www.batterybusiness.in

 **बैटरी व्यापार**
ऑनलाइन मासिक *Battery Business*

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन,
ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों
के लिए प्रकाशित

सदस्यता प्रपत्र

फोटो

नाम _____

पता _____

पता _____ फोन _____

मोबाइल _____ ई-मेल _____

दिनांक _____ हस्ताक्षर _____

विज्ञापन दर

कवर स्टोरी (कवर विज्ञापन)	10000/- रुपये
पिछला आवरण	5000/- रुपये
प्रथम आवरण के पीछे	4000/- रुपये
पिछले आवरण के पीछे	4000/- रुपये
पूरा पृष्ठ	3000/- रुपये
आधा पृष्ठ	2000/- रुपये
चौथाई पृष्ठ	1500/- रुपये
न्यूनतम	1000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि

एक वर्ष : 1200/- रुपये दो वर्ष : 1800/- रुपये
पांच वर्ष : 4000/- रुपये आजीवन : 11000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि चैक/ड्राफ्ट "designworld"
के नाम WZ-572N, BACK SIDE, NARAINA VILLAGE
DELHI-110028 के पते पर भेजें।

ड्राफ्ट या चैक यस बैंक के नाम पर देय होगा।

Paytm, googlepay, phone pe No. 9582593779



SAM
Above & Beyond

www.sambattery.com
info@sambattery.com

COMPLETE RANGE OF
MOTORCYCLE
BATTERY



SAM BATTERY INDIA PVT. LTD.
+91 9654788882, 86

LONG LIFE | MAINTENANCE FREE



बैटरी व्यापार

ऑनलाइन मासिक

Battery Business

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

Website : www.batterybusiness.in

Email : info@batterybusiness.in



Toll Free : 1800-891-3910

GO SOLAR WITH STAXXA SOLAR



HIGH POWER OUTPUT

Compared to normal module
the power output can increase 5W-1CW

Complete Range of High Efficiency Solar Panels available Models

12V Poly Series :

40W, 50W, 75W, 100W, 160W

24V Poly Series :

335W, 350W

Monoperc 24V Series :

400W



SPECIAL 5 BUSBAR DESIGN



The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

IP67 RATED JUNCTION BOX

IP67

The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

Email : customercare@staxxasolar.com | Web : www.staxxasolar.com